बलबीर भंडारी

बलबीर का जन्म पंजाब में लुधियाना में 1926 में हुआ। उनके पिता वहाँ मिल मालिक थे। बलबीर ने परिवार के कारोबार में शामिल होने से पहले यूनीवर्सिटी में अंग्रेज़ी और इकनामिक्स की पढ़ाई की। नवंबर 1952 में वे अपने मित्र लाजपत विज से मिलने लिवरूल आए।

अपने साथ वे खेलों के सामान के कुछ नमूने लाए थे और उनका इरादा इनके लिए आर्डर लेकर वापस भारत जाने का था। परंतु जल्दी बलबीर को यह बात स्पष्ट हो गई कि सफल होने के लिए उनका लिवरपूल में रहना ज़रूरी था। रिहाइश ढूँढना कठिन था, और उनका पहला घर ब्रैकसाईड पार्क के एक फ़्लैट का ऐटिक था।

बलबीर ने कपड़े उधार बेचने का अपना पहला कारोबार शुरू किया। 1954 तक वैस्ट डर्बी में अपना घर ख़रीदने के लिए उन्होंने काफ़ी पैसे जमा कर लिए। 1955 में उन्होंने भार वापस जाकर प्रोमिला से विवाह किया, और एक वर्ष बाद उनकी पुत्री बेला का जन्म ब्रोडग्रीन अस्पताल में हुआ।

हरबंस लिवरपूल इंडियन ऐसोसीएशन के सक्रिय मैम्बर थे और हिंदु कल्चरल आर्गेनाईज़ेशन की स्थानपा ले लिए उन्होंने अभियान चलाया। 1958 में वे इसके पहले सेक्रेटरी बने और अगले 30 वर्ष वे इसके काम में पूरी तरह सक्रिय रहे। बलबीर और प्रोमिला अब भी लिवरपूल में रहते हैं।